NEWS FOR UPSC

UPSC

IAS/PCS

STATE EXAM

All Exam

ABHAY SIR

CURRENT AFFAIRS

28 Dec. 2024

UN Convention
against
Cybercrime
Fighting
Cybercrime
Together
'साइबर अपराध के विरुद्ध कन्वेंशन'

❑ चर्चा में क्यों :– हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के द्वारा साइबर अपराध के विरुद्ध एक कन्वेंशन को अपनाया गया है

कन्वेंशन का उद्देश्य :–

1.साइबर अपराध से निपटने
2. समाजों को डिजिटल खतरों से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत बनाना।

❑ इस कन्वेंशन में संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देश शामिल है।

❑ अब इस कन्वेंशन को हनोई (वियतनाम) में 2025 में प्रस्तुत किया जाएगा जहां सभी देश इस पर हस्ताक्षर करेंगे।

इस कन्वेंशन को लागू करने के लिए आवश्यक है कि 40 हस्ताक्षरकर्ता राष्ट्रों का अनुसमर्थन प्राप्त हो जिसके बाद 90 दिन बाद यह लागू हो जाएगा।
कानूनी रूप से बाध्यकारी होने वाला यह साइबर अपराध पर संयुक्त

राष्ट्र का पहला साधन है।
संयुक्त राष्ट्र महासभा (United Nations General Assembly), जिसे आमतौर पर UNGA के नाम से जाना जाता है, संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख नीति-निर्माण और प्रतिनिधित्व करने वाला अंग है। यह संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है। महासभा का मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर, अमेरिका में स्थित है।

विशेषताएँ:

1. सदस्यता: महासभा में संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देश शामिल होते हैं। हर देश को एक समान वोट का अधिकार होता है।

2. कार्य:

अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना।

आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, और मानवीय समस्याओं पर चर्चा करना।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना।

संयुक्त राष्ट्र के बजट का अनुमोदन करना और अन्य अंगों के लिए सदस्य चुने जाना।

3. अधिवेशन: महासभा का वार्षिक अधिवेशन हर साल सितंबर से दिसंबर तक चलता है। इसके अलावा, विशेष सत्रों का आयोजन जरूरत के आधार पर किया जा सकता है।

4. निर्णय लेने की प्रक्रिया:
सामान्य मुद्दों पर निर्णय साधारण बहुमत से लिया जाता है। महत्वपूर्ण मामलों (जैसे शांति और सुरक्षा, नए सदस्यों का प्रवेश, बजट आदि) के लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक होता है।

5. महासभा अध्यक्ष: हर साल महासभा का अध्यक्ष चुना जाता है। यह पद रोटेशन के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों के देशों को दिया जाता है।

भूमिका:
संयुक्त राष्ट्र महासभा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा और समाधान निकालने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। हालांकि इसके प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते, लेकिन ये वैश्विक सहमति और नीति-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

RBI'S ANALYSIS REPORT ON TREND AND PROGRESS OF BANKING IN INDIA 2022-23

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति रिपोर्ट 2023-24'

- किसने जारी की :– भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने

- यह एक वार्षिक रिपोर्ट है जो बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत जारी की जाती है।

- रिपोर्ट में विशेष :– वित्त वर्ष 2023-24 में बैंकिंग क्षेत्रक के प्रदर्शन को रेखांकित किया गया।

- रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:–

- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक लगातार छठे वर्ष
- लाभ की स्थिति में।
- सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति सितंबर 2024 में (GNPAs) घटकर 2.5% रही। (पिछले 13 वर्षों में सबसे कम NPA स्तर)
- वाणिज्यिक बैंकों के लिए न्यूनतम 9% का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR) अनिवार्य।

❑ बेसल III (Basel III) एक अंतरराष्ट्रीय नियामक ढांचा है, जिसे वैश्विक बैंकिंग प्रणाली को मजबूत और स्थिर बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह बेसल समिति (Basel Committee on Banking Supervision) द्वारा विकसित किया गया था। बेसल III, बेसल II और बेसल I के सुधारों का विस्तार है और इसे 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद पेश किया गया।

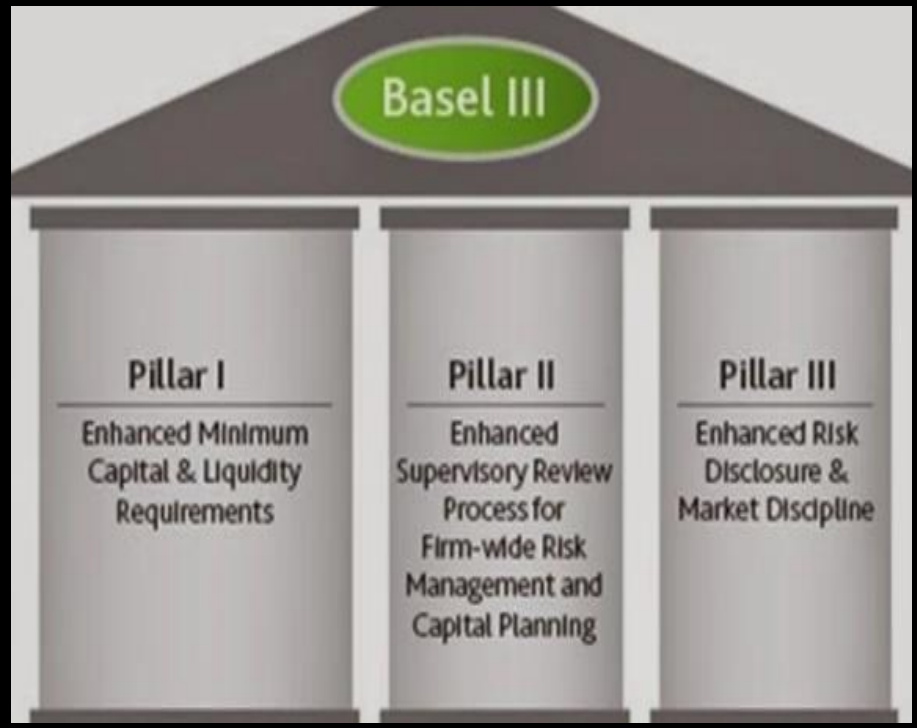

उद्देश्य:

1. बैंकों की पूंजी संरचना को मजबूत करना: वित्तीय संकट के दौरान बैंकों के घाटे को कवर करने के लिए पर्याप्त पूंजी सुनिश्चित करना।

2. जोखिम प्रबंधन को सुधारना: जोखिम वाले परिसंपत्तियों के खिलाफ पूंजी का उचित प्रबंधन।

3. बैंकों की तरलता (Liquidity) में सुधार: बैंकों की अल्पकालिक और दीर्घकालिक नकदी प्रवाह को संतुलित करना।

4. सिस्टम में स्थिरता बनाए रखना: वित्तीय प्रणाली में संकटों से बचाव करना।

- भारतीय रिजर्व बैंक (Reserve Bank of India - RBI) भारत का केंद्रीय बैंक है, जो देश की मौद्रिक और वित्तीय प्रणाली को नियंत्रित और विनियमित करता है। इसकी स्थापना 1 अप्रैल 1935 को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत हुई थी। शुरुआत में इसका मुख्यालय कोलकाता में था, जिसे बाद में मुंबई स्थानांतरित कर दिया गया।

- मुख्य कार्य:

1. मौद्रिक नीति तैयार करना और लागू करना:

- मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना।
- अर्थव्यवस्था में तरलता (Liquidity) बनाए रखना।
- विकास को प्रोत्साहित करना।

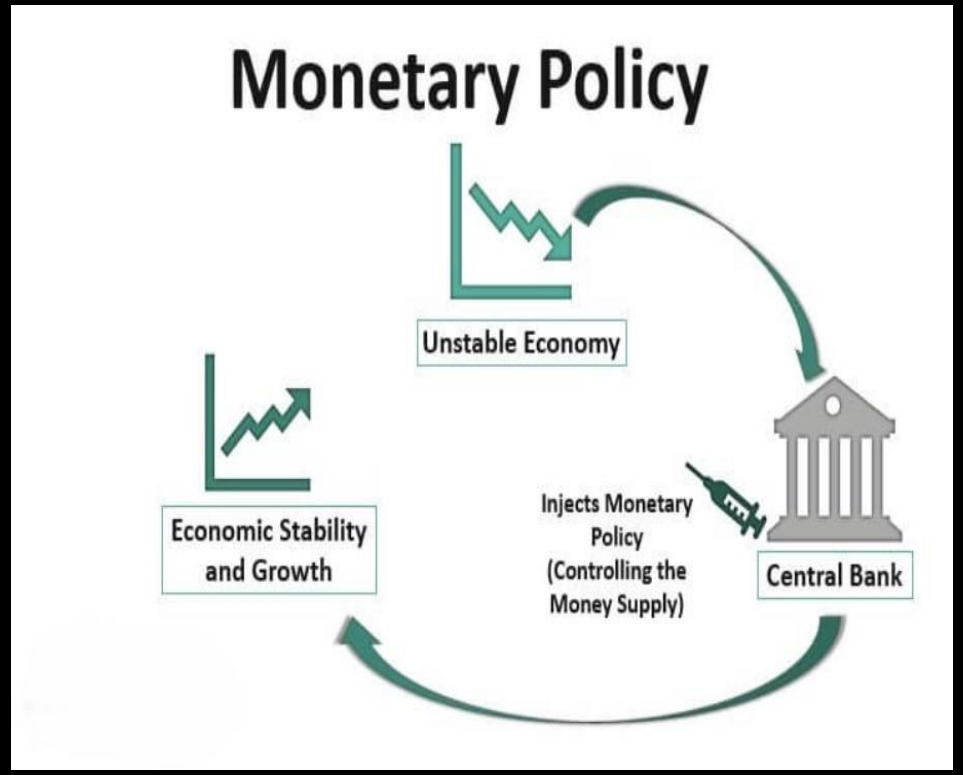

2. मुद्रा जारी करना:

- ❑ भारतीय रुपये (₹) की आपूर्ति और प्रबंधन।
- ❑ मुद्रा की छपाई और सिक्कों का प्रबंधन।

3. बैंकों का नियमन और पर्यवेक्षण:

- ❑ वाणिज्यिक बैंकों, सहकारी बैंकों, और अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण।
- ❑ बैंकों के वित्तीय स्थायित्व को सुनिश्चित करना।

4. विदेशी मुद्रा प्रबंधन:

- ❑ विदेशी मुद्रा भंडार का प्रबंधन।
- ❑ विदेशी मुद्रा बाजार में स्थिरता बनाए रखना।

5. सरकार का बैंक और ऋण प्रबंधक:

- ❑ केंद्र और राज्य सरकारों के लिए बैंक के रूप में कार्य करना।
- ❑ सरकारी प्रतिभूतियों का प्रबंधन करना।

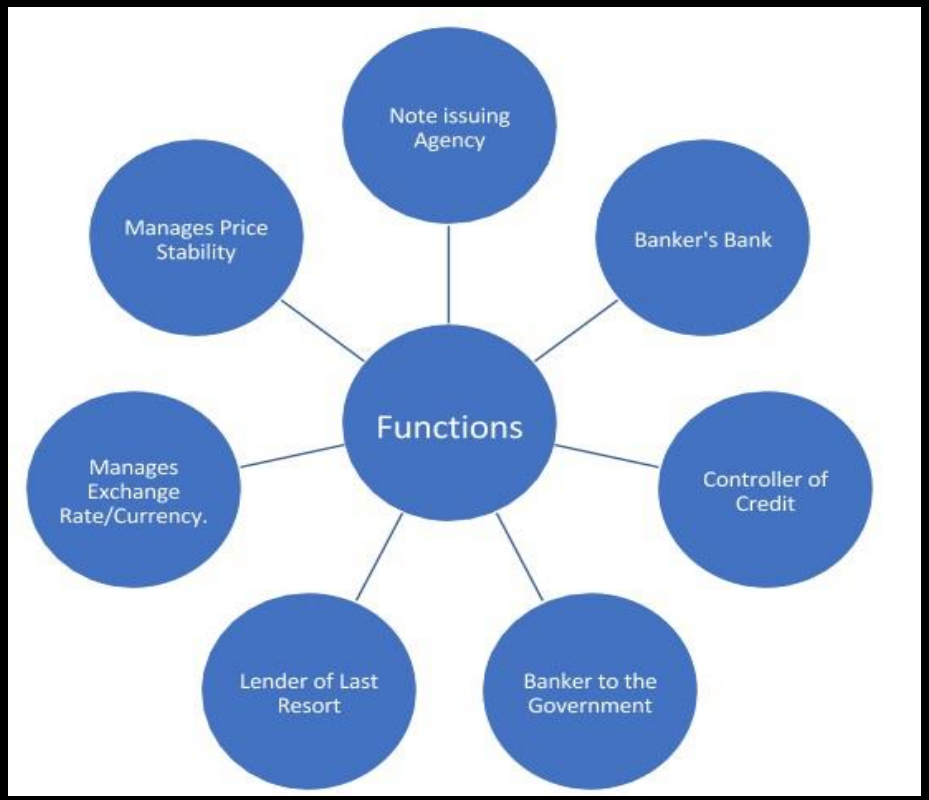

संरचना:

1. गवर्नर और डिप्टी गवर्नर:

आरबीआई का नेतृत्व एक गवर्नर करता है, जो केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है।

इसके अलावा 4 डिप्टी गवर्नर होते हैं।

2. बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स:

इसमें सरकार द्वारा नामित निदेशक और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होते हैं।

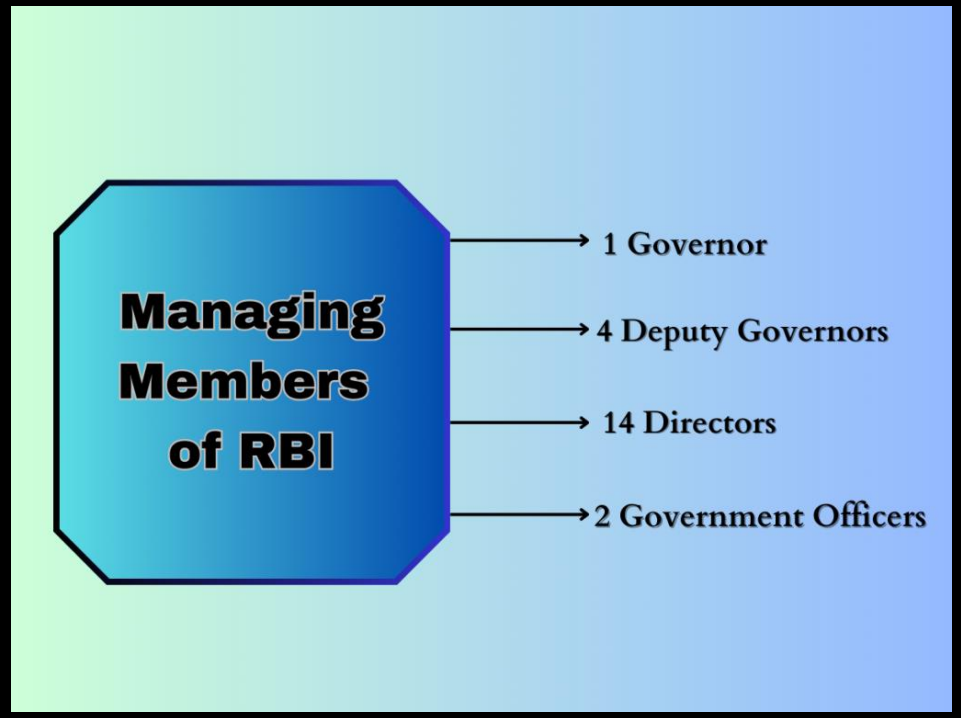

कर्मयोगी भारत
— लोकहितं मम करणीयम् —

KARMAYOGI BHARAT

National Program For Civil Services Capacity Building

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

- **किसने शुरू की :·** केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने
- **कब शुरू की :–** सुशासन दिवस पर।
- इस पहल को 'प्रशासन गाँव की ओर' अभियान के तहत शुरू किया गया है।

पहल का उद्देश्य:–

1. पंचायती राज संस्थाओं (PRIs) की क्षमता बढ़ाना

2. उन्हें इस योग्य बनाना जिससे वह सभी चुनौतियों का समाधान कर सके।

3. पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि और अधिकारियों को प्रभावी अभिशासन हेतु प्रशिक्षित करना।

4. निर्वाचित प्रतिनिधि और अधिकारियों को भागीदारी आधारित योजना बनाने के लिए आवश्यक साधन एवं ज्ञान प्रदान करना।

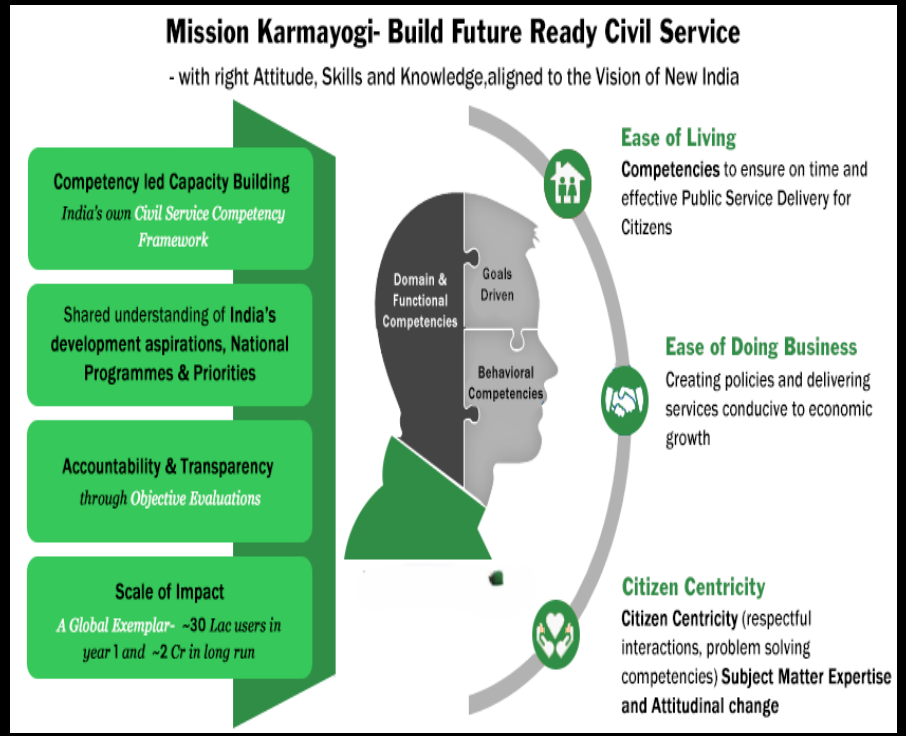

- पहल का लाभ :– विकेंद्रीकृत शासन और जमीनी स्तर पर निर्णय लेने को बढ़ावा देता है।
- पंचायती राज भारत में स्थानीय स्वशासन की प्रणाली है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर प्रशासन को सशक्त बनाना और जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। यह प्रणाली भारतीय संविधान के 73वें संशोधन अधिनियम, 1992 के माध्यम से स्थापित की गई थी और इसे 24 अप्रैल 1993 को लागू किया गया।

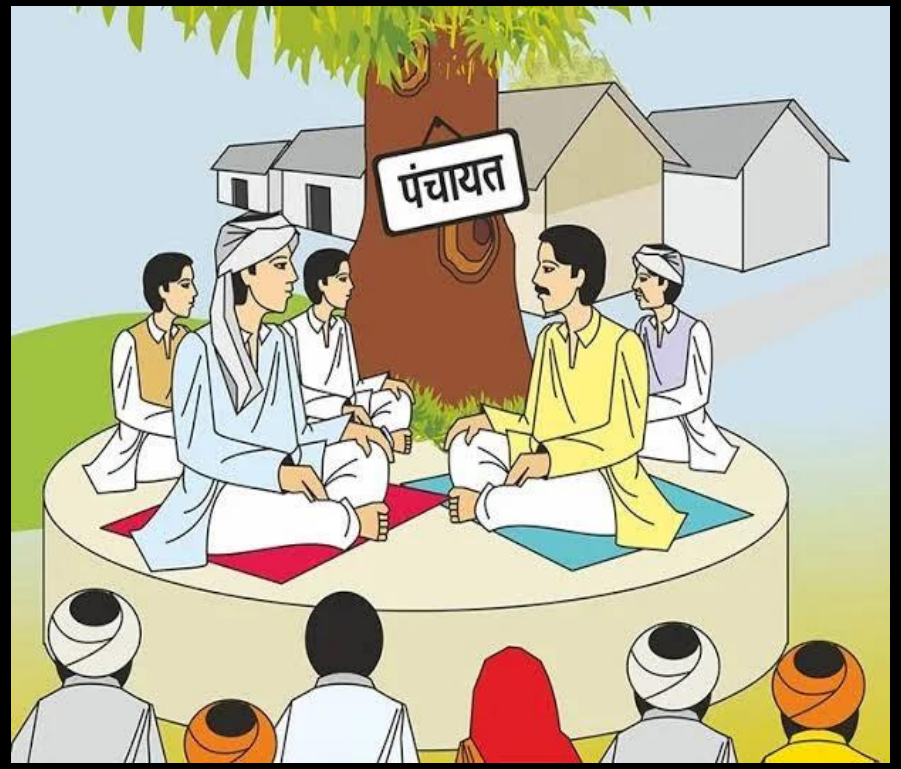

पंचायती राज का अर्थ

- 'पंचायत' का अर्थ है पाँच सदस्यों की एक परिषद, और 'राज' का अर्थ शासन।

- पंचायती राज प्रणाली ग्रामीण क्षेत्रों में शासन को विकेंद्रीकृत कर, स्थानीय समस्याओं का समाधान और विकास की जिम्मेदारी स्थानीय समुदाय को देती है।

संरचना-

- पंचायती राज की संरचना को तीन-स्तरीय व्यवस्था के रूप में व्यवस्थित किया गया है:

1. ग्राम पंचायत (ग्राम स्तर)

- प्रत्येक गाँव या गाँवों के समूह के लिए एक पंचायत होती है।
- यह पंचायत ग्राम सभा (सभी वयस्क मतदाताओं) द्वारा चुनी जाती है।
- सरपंच इसका प्रमुख होता है।

2. पंचायत समिति (खंड/तहसील स्तर)

- यह ग्राम पंचायतों के समूह (तहसील/ब्लॉक) पर नियंत्रण रखती है।
- इसमें निर्वाचित सदस्य और कुछ नामांकित सदस्य होते हैं।

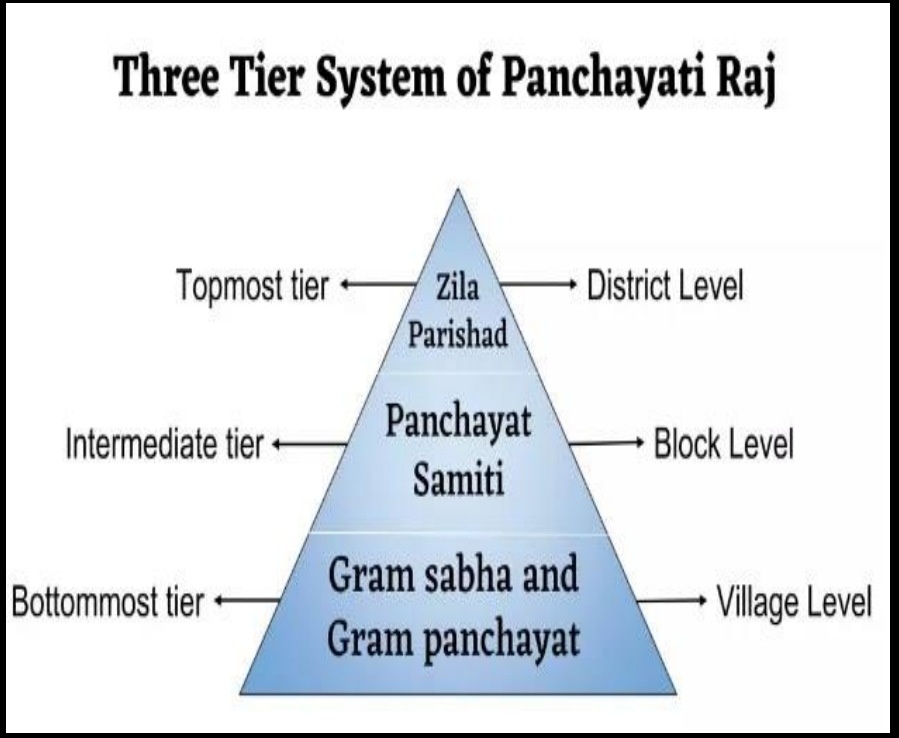

3. जिला परिषद (जिला स्तर)

- ❑ यह जिला स्तर पर सबसे ऊँचा निकाय होता है।
- ❑ इसमें पंचायत समितियों से चुने गए सदस्य, सांसद, विधायक और अन्य अधिकारी शामिल होते हैं।

महत्वपूर्ण विशेषताएँ

1. विकेंद्रीकरण:

- ❑ प्रशासन की शक्तियाँ और जिम्मेदारियाँ निचले स्तर तक हस्तांतरित होती हैं।

2. वित्तीय स्वतंत्रता:

- ❑ पंचायती राज संस्थाओं को अपने कार्यक्रमों को संचालित करने के लिए वित्तीय अधिकार दिए जाते हैं।

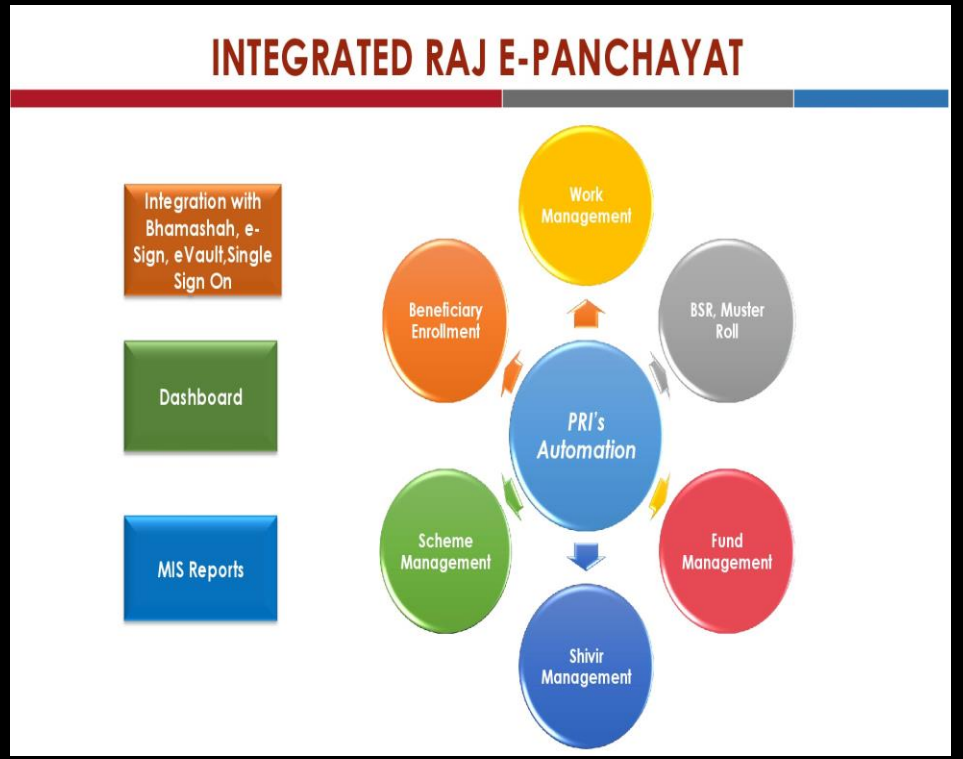

3. आरक्षण:

- ❑ महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का प्रावधान है।
- ❑ महिलाओं के लिए 33% सीटों का आरक्षण अनिवार्य किया गया है।

4. ग्राम सभा:

- ❑ ग्राम सभा स्थानीय प्रशासन का प्रमुख अंग है, जो योजनाओं को मंजूरी देती है और कार्यों की निगरानी करती है।

5. राज्य चुनाव आयोग:

- ❑ पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए राज्य स्तर पर चुनाव आयोग की स्थापना।

पंचायती राज के उद्देश्य

1. ग्रामीण स्तर पर शासन को मजबूत करना।
2. विकास योजनाओं का स्थानीय स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन।
3. ग्रामीण समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करना।
4. लोगों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना।

पंचायती राज से संबंधित प्रमुख अनुच्छेद

- ❑ अनुच्छेद 243 से 243O: पंचायती राज प्रणाली से संबंधित सभी प्रावधान।
- ❑ अनुच्छेद 40: राज्य को ग्राम पंचायतों को संगठित करने और उन्हें सशक्त बनाने का निर्देश देता है।

चुनौतियाँ

1. वित्तीय संसाधनों की कमी।
2. भ्रष्टाचार और राजनीतिक हस्तक्षेप।
3. प्रशिक्षित और योग्य कर्मचारियों की कमी।
4. महिलाओं और कमजोर वर्गों की सीमित भागीदारी।
5. प्रभावी कार्यान्वयन की कमी।

उपलब्धियाँ

- ❑ पंचायती राज ने ग्रामीण भारत में विकास परियोजनाओं को गति दी।
- ❑ स्थानीय स्तर पर प्रशासन और जवाबदेही में सुधार हुआ।
- ❑ महिलाओं और पिछड़े वर्गों के लिए सशक्तिकरण का मंच प्रदान किया।
- ❑ पंचायती राज भारत के ग्रामीण विकास और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तेल रिसाव और उसके समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले प्रभाव

चर्चा में क्यों :-

❑हाल ही में तमाम तूफानों के कारण मनीला की खाडी वा अन्य क्षेत्रों में तेल टैंकर जैसे की 'एमटी टेरा नोवा' डूब गए।
❑इस जहाज पर 1.4 मिलियन लीटर कच्चा तेल (Crude Oil) था।
❑इस दुर्घटना में चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई, जबकि अन्य 16 लोगों को बचा लिया गया।

एमटी टेरा नोवा :–

❑जहाज एमटी टेरा नोवा एक तेल टैंकर था जो फिलीपींस के इलोबलो शहर की ओर जा रहा था

❑ "टाइफून गेमी" के कारण खराब मौसम होने के कारण यह जहाज मनीला की खाडी में पलट गया।
फैल गया है।

❑मनीला की खाडी में मौजूद समुद्री जीवन और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

❑ तेल रिसाव की क्षति को कम करने के लिए तटरक्षक बल (Coast Guard) एवं अन्य एजेंसियां रोकथाम बूम और स्कीमर तैनात कर रही है।

❑ 'बूम' :– ये प्लास्टिक या अन्य हल्की धातु सामग्री से बने होते है जिससे ये पानी में ऊपर तैरते रहते है जिससे समुद्री सतह पर तेल का प्रसार अधिक क्षेत्र में नहीं हो पाता और जो विस्तार होता भी है उसकी गति काफी धीमी होती है।

❑'स्किमर्स' :– छोटी नावें (Boats) होती है, जो पानी की सतह से तेल निकालकर उन्हें पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील समुद्री क्षेत्र तक फैलने से रोकती है।

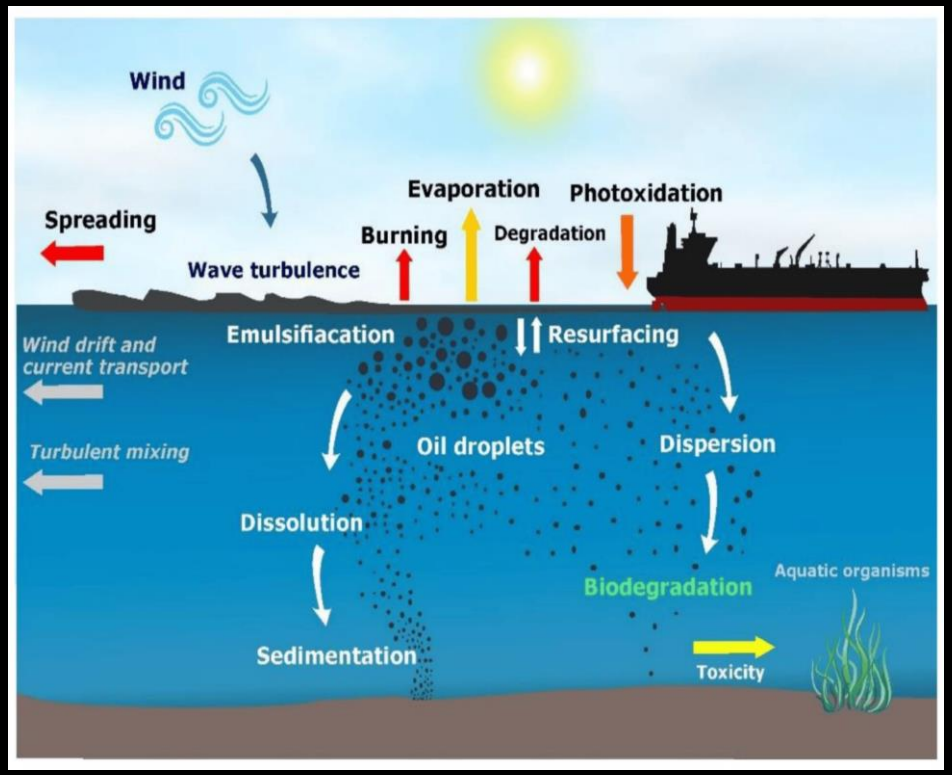

समुद्री सतहों पर तेल रिसाव के कारण

❑तेल रिसाव के प्रमुख कारणों में टैंकरों, ड्रिलिंग रिग, पाइपलाइनों, अपतटीय प्लेटफार्मों, रिफाइनरियों, तेल कुओं से जुडी दुर्घटनाएं, प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय त्रृटि या अन्य कारण से हो सकता है।

❑तेल को लोड और अनलोड करते समय भी तेल रिसाव होता है

तेल रिसाव के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव :–

❑ यह पानी की सतह पर तेजी से फैलकर एक परत (Layer) बना देता है।

❑पानी की सतह पर तेल की यह परत (Layer) सूर्य की प्रकाश को समुद्री पौधे जैसे शैवाल तक पहुंचने से रोकता है।

❑जिस कारण समुद्री पौधों और फाइटोप्लांकटन में प्रकाश संश्लेषण की गतिविधि सही ढंग से नहीं हो पाती है, जो समुद्री पानी में ऑक्सीजन उत्पादन को बाधित करता है। जिस कारण समुद्री पौधे धीरे-धीरे ये खत्म हो जाते है।

❑**फाइटोप्लांकटन या पादप प्लवक :–** ये स्वपोषी (Autotrophs) समुद्री पौधा है जो महासागर और मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

❑समुद्री जीव विशेषकर ऐसे जीव जो समुद्र के उपरी सतह के पास रहते है, समुद्री सतह पर तेल के रिसाव से उत्पन्न विषाक्त जोखिम से ज्यादा प्रभावित होते हैं।

❑समुद्री सतह पर तेल रिसाव पक्षियों एवं स्तनधारियों को काफी प्रभावित करता है।

❑समुद्री सतह का तेल जब पक्षियों के पंखों और स्तनधारियों के फर में प्रवेश करता है तो इनकी इन्सुलेशन क्षमता यानि तापमान के प्रति संवेदनशीलता लगभग खत्म हो जाती है।

❑ समुद्री सतह पर तेल का फैलाव समुद्री मछली और अकशेरूकी जीवों के प्रजनन और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करता है।

❑ तेल के सेवन से समुद्री जीवों में निर्जलीकरण की प्रक्रिया तेज हो जाती है एवं उनकी पाचन क्रिया बाधित हो जाती है।

वायु प्रदूषण

❑समुद्री सतह पर तेल का फैलाव उसके आस-पास की वायु की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है।

❑कच्चे तेल में जहरीले रसायन होते है इसमें ज्यादातर रसायन हाइड्रोकार्बन होते है, जिसमें :– बेंजीन, टोल्यूनि, पॉली-एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन और ऑक्सीजन युक्त पॉलिसाइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन ।

❑जब ये जहरीले हाइड्रोकार्बन रसायन वाष्पीकृत होते है तो ये वायुमंडल में आक्सीडेंट द्वारा आक्सीकृत होकर महीन जहरीले कण वायुमंडल में फैलाते है, जो मानव शरीर के फेफडे में पहुंचकर उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं।

❑ तेल रिसाव को साफ करना काफी चुनौतीपूर्ण है।

❑समुद्री सतहों पर समुद्र की लहरें और तेज धाराओं के कारण तेल तेजी से फैलता है, जो तेल रिसाव के सफाई के प्रयास को और भी जटिल बनाती है।

❑तेलों के विभिन्न प्रकार के कारण कुछ तेल पानी के साथ घुल-मिल जाते है या पायसीकृत हो जाते है, जो पृथक्करण को कठिन बना देते हैं।

तेल-रिसाव का पर्यावरण पर दीर्घकालीन प्रभाव

❑ तेल रिसाव का फैलाव समुद्री जानवरों की आबादी को खत्म कर सकता है।

❑ समुद्री खाद्य श्रृंखला को विषाक्त बनाकर मानव रहित विभिन्न जीव समुदायों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है।

❑खाद्य श्रृंखला विषाक्त होने के कारण दीर्घकालीन स्वास्थ्य समस्याएं और जैव विविधता में कमी ला सकती है जो संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित कर सकता है।

❑समुद्री सतहों पर तेल रिसाव पहले से खतरे वाली मेंग्रोव, मूंगा चट्टानें और दलदली भूमि जैसे तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए और अधिक जोखिम उत्पन्न कर सकता है।

❑समुद्री क्षेत्र में मछली पकडने और पर्यटन पर निर्भर समुदायों के लिए यह आर्थिक संकट उत्पन्न कर सकता है।

तेल रिसाव की पूर्व की घटनाएं :

❑1989 :– एक्सॉन वाल्डेज स्पिल घटना,

❑ अलास्का की खाडी से प्रिंस विलियम साउंड तक लगभग 11 मिलियन गैलन कच्चे तेल का रिसाव हुआ था।

❑वर्ष 1956 से वर्ष 2006 के बीच :–

❑नाइजर डेल्टा में 1.5 मिलियन टन तेल का रिसाव हुआ।

❑वर्ष 1970 से 2000 के बीच :–

❑लगभग 7000 से अधिक तेल रिसाव की घटना हुई

❑Im घटनाओं में अलास्का, मैक्सिको की खाडी, गैलापागोस द्वीप समूह, सुंदरवन, ओगोनिलैंड सहित कई वैश्विक समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तेल रिसाव संबंधी अध्ययन :

❑अमेरिकी पर्यावरण एजेंसी (EPA) के अनुसार अब तक हुए विभिन्न तेल रिसाव की घटना से :–

❑ लगभग 2.5 लाख समुद्री पक्षी, 2800 समुद्री उदबिलाव, 300 हार्बल सील, 200 गंजा ईगल, 22 किलर व्हेल सहित अरबों सैल्मन और हेरिंग के अंडे मारे जा चुके है।

❑संयुक्त राज्य भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के अध्ययन के अनुसार तेल रिसाव की घटना से समुद्री तलछट में लगातार प्रदूषण बढ रहा है, जिससे मछलियों की आबादी में लगातार गिरावट आ रही है तथा समुद्री घास के जंगलों और अन्य आवासों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

Result Mitra
INDIAN MILITARY
BASES
OUTSIDE INDIA
KAZAKHSTAN
MONGOLIA
UZBEKISTAN
TURKMENISTAN
CHINA
UKRAINE
BELARUS
TURKEY
SYRIA
IRAQ
IRAN
AFGHANISTAN
PAKISTAN
NEPAL
INDIA
MYANMAR (BURMA)
LAOS
THAILAND
CAMBODIA
EGYPT
SAUDI ARABIA
OMAN
YEMEN
ERITREA
SUDAN
CHAD
NIGER
NIGERIA
CENTRAL AFRICAN REPUBLIC
ETHIOPIA
SOMALIA
UGANDA
KENYA
DEMOCRATIC REPUBLIC OF THE CONGO
भारत से बाहर स्थित भारतीय सैन्य बेस

❑ मॉरीशस के अगालेगा द्वीप पर बना सैन्य अड्डा।

❑मॉरीशस हिंद महासागर में अवस्थित एक द्वीपीय देश है, यह देश अफ्रीका के पूर्वी तट पर अवस्थित है।

भूमि:

❑मेडागास्कर से इसकी दूरी लगभग 500 मील/800 किमी पूर्व में।

❑अगालेगा द्वीप, मॉरीशस के द्वीप समूह में प्रमुख द्वीप है जो 580 मील/930 किमी उत्तर की ओर स्थित है।

❑सामरिक दृष्टि से मॉरीशस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी देश है।

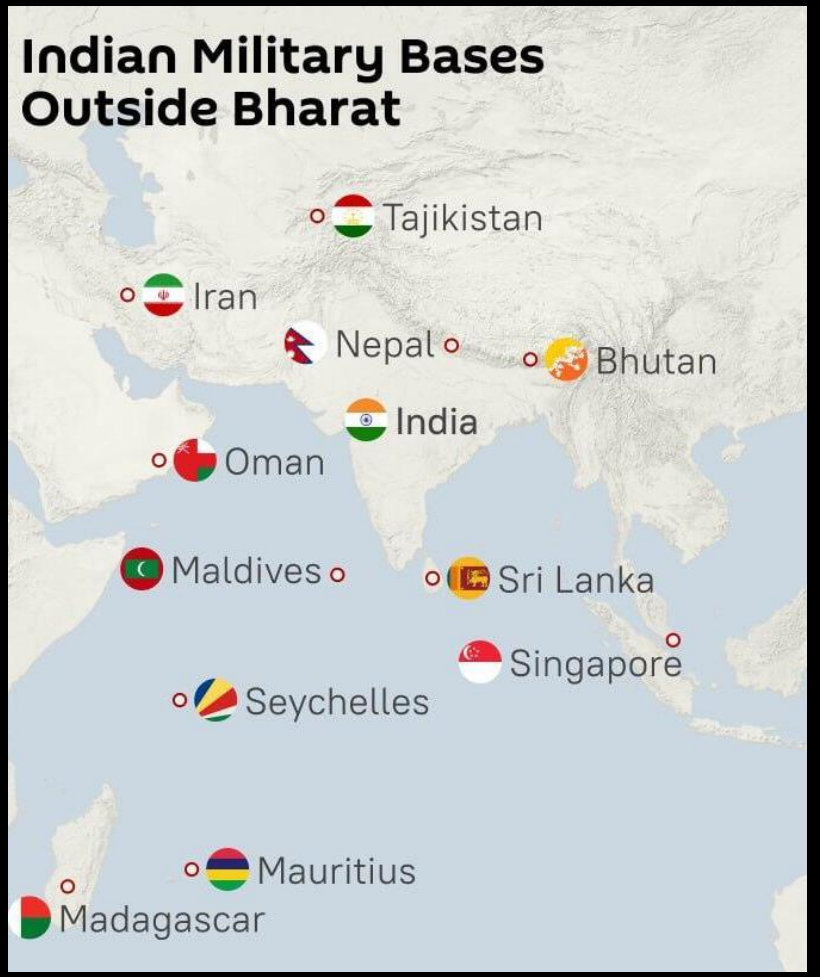

❑ भारत हिंद महासागर की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए मॉरीशस के साथ में समझौते कर रहा है

❑भारत और मॉरीशस के मध्य सुरक्षा और विकास को सुनिश्चित करने के लिए अगालेगा द्वीप पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।

❑इन समझौता में महत्वपूर्ण है समुद्री सुरक्षा

❑महासागर एक लंबे समय से समुद्री लुटेरों की समस्या से जूझ रहा है साथ में ही भारत को घेरने की चीन की जो नीति है उससे भी भारत अपना बचाव करना चाहता है

❑**भारत और मॉरीशस के इन समझौते से**

1.समुद्री सुरक्षा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

2.भारत-मॉरीशस के रिश्तों में और अधिक मजबूती आएगी।

3.भारत हिंद महासागर में और अच्छे से निगरानी रख सकेगा

❑मॉरीशस में सेंट जेम्स जेट्टी नामक हवाई पट्टी का उदघाटन मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनौथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साथ किया

❑साथ ही दोनों ने छह सामुदायिक विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया।

❑**भारत और मॉरीशस संबंध :–**

❑दोनों देशों के मध्य संबंध स्वतंत्रता के पहले से चले आ रहे हैं।

❑जब महात्मा गांधी अक्टूबर 1901 में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर थे तो इस दौरान कुछ समय के लिए मॉरीशस में रुके।

❑मॉरीशस अपना का राष्ट्रीय दिवस 12 मार्च को मनाता है इस दिन ही गांधी जी में दांडी यात्रा (चौबीस दिवसीय मार्च 12 मार्च 1930 से 6 अप्रैल 1930 तक) को प्रारंभ किया है।

❑मॉरीशस की कुल आबादी में भारतीयों का लगभग 70 प्रतिशत है।

❑प्रधानमंत्री मोदी के दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के (मई 2019 में) शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ भी शामिल हुए।

❑**भारत के अन्य देशों में स्थित अन्य मिलट्री बेस :–**

❑**ताजिकिस्तान (Tajikistan)**

❑**राजधानी :–** दुशांबे

❑ ताजिकिस्तान के फरखोर (Farkhor) में भारतीय मिलिट्री का एयर बेस मौजूद है.

❑**संचालन :–** भारतीय वायुसेना द्वारा.

❑ यह भारत का पहला ऐसा मिलिट्री बेस है, जो भारत से बाहर स्थापित किया गया .

❑भारतीय वायुसेना ने सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट को यहां तैनात किया हैं.

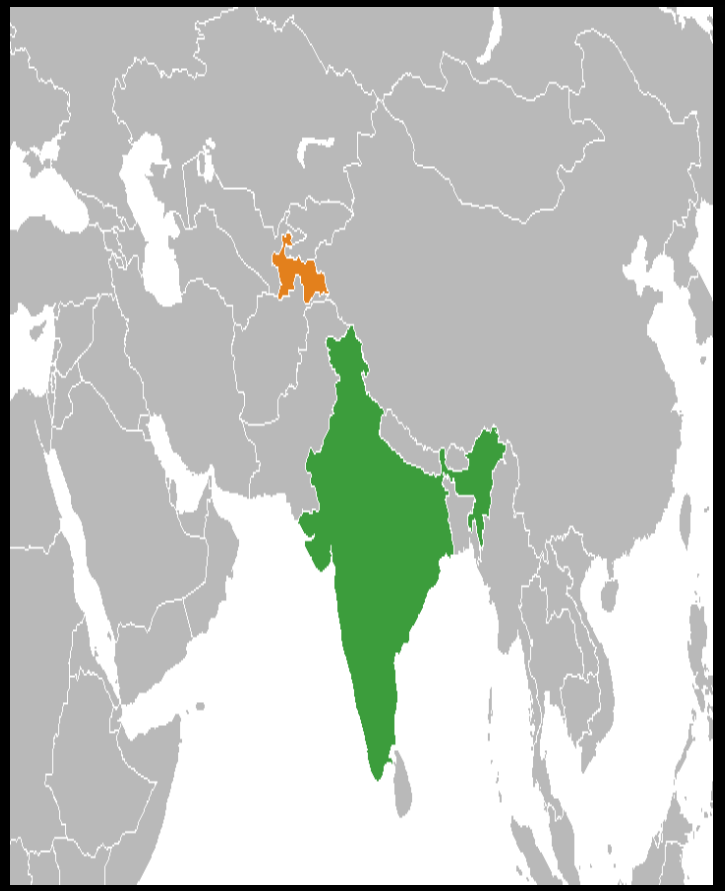

भूटान (Bhutan)

❑यहां भारत का एक सैन्य बेस एक स्थाई ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मौजूद है.

❑**नाम :–** भारतीय मिलिट्री ट्रेनिंग टीम (IMTRAT) .

❑**स्थापना :–**1961-62 में की गई थी.

❑भूटान में रक्षामंत्री नहीं होते जिस कारण यहां मौजूद कमांडेंट भूटान के राजा को रक्षा मामलों में सलाह और सहायता प्रदान करता है.

❑**मैडागास्कर**

❑भारतीय मिलिट्री का उत्तरी मैडागास्कर में लिसनिंग पोस्ट और एक राडार फैसिलिटी मौजूद है.

❑**निर्माण :–** 2007 में

❑**निर्माण क्यों :–**

1. हिंद महासागर में जहाजों पर नजर रखी जा सके.
2. समुद्री संचार को सुना जा सके.

❑**ओमान (Oman)**

❑रास अल हद में भारतीय मिलिट्री का एक लिसनिंग पोस्ट .

❑साथ ही भारत के पास मस्कट नौसैनिक बेस पर बर्थिंग अधिकार है.

❑जिसका अर्थ होता है की इस जगह भारतीय नौसेना के जंगी जहाजों, पनडुब्बियों आदि को जरूरत पड़ने पर ईंधन आदि की सहायता मिल जाएगी

❑Duqm में भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना का छोटा बेस मौजूद।

प्रश्न:भारत के सैन्य बेस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत का पहला विदेशी सैन्य बेस मेडागास्कर में स्थित है।
2. भारत ने मॉरीशस और सेशेल्स में अपने सामरिक हितों को सुरक्षित करने के लिए सैन्य सुविधाएँ स्थापित की हैं।
3. भारतीय नौसेना ने ओमान के डुक्म (Duqm) बंदरगाह का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

कूट:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

THANK YOU

Result Mitra

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result